परिणाम रूपरेखा दस्तावेज (आर0 एफ0 डी0)

वर्ष 2014-15

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद -शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय
ICAR- Directorate of Coldwater Fisheries Research
औधोगिक परिसर, भीमताल (Industrial Area, Bhimtal) -263136,
नैनीताल (Nainital), उत्तराखंड (Uttarakhand)
वेवसाइट: www.dcfr.res.in

अनुभाग-1

विज़न

पर्वतीय क्षेत्रों मे शीतजल मात्सियिकी एवं मत्स्य पालन द्वारा आजीविका सुरक्षा तथा परीतान विकास।

मिशन

शीतजल मत्स्य संसाधनों का आकलन एवं प्रबंधन तथा पर्वतीय जल कृषि के क्षेत्र मे समग्र विकास हेतु एक उत्कृस्ट संस्थान के रूप मे विकसित होना।

कार्य

हिमालय क्षेत्र मे शीतजल मत्स्य संसाधनों का विवेकपूर्ण और वैज्ञानिक प्रबंधन से नाजुक जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में अनियमित विकासात्मक गतिविधियों के प्रभाव प्रतिक्रिया को कम कर सकता है जो वास्तविक मछली उपज और उत्पादन क्षमता के बीच अंतर को पूरा करके बदले परिवेश में अर्थव्यवस्था को तेज करेगी। मछली का दोहन करने के लिए उचित तकनिकियाँ के अंगीकरण और मानव शक्ति विकास के माध्यम से पर्वतीय समुदाय की आजीविका सुरक्षा का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

अनुभाग-2 प्राथमिकता, मुख्य उद्देश्य, सफलता संकेतक और लक्ष्य

क्रम संख्या	उद्देश्य	भारिता	कार्यवाही	सफलता सूचक	इकाई	भारिता	लक्ष्य / मापदंड मान स्तंभ स्कोर का लक्ष्य मूल्यों के खिलाफ प्रतिशत उपलब्धि				
							उत्कृस्ट 100%	बहुत अच्छा 90 %	अच्छा 80%	ठीक 70%	घटिया 60%
1.	प्राकृतिक जलीय संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए पद्धति के विकास	34	संसाधन मूल्यांकन और अन्वेषण	अन्वेषणों और सर्वेक्षण की संख्या	संख्या	10	8	6	4	2	0
				महत्वपूर्ण शीतजल मछलियों के आणविक मार्कर का विकास	संख्या	9	65	55	45	35	25
				जीआईएस आधारित जलीय संसाधनों के मानचित्रो का विकास	तारीख	7	20/02/ 2015	22/02/ 2015	24/02/ 2015	26/02/ 2015	28/02/ 2015
			मत्स्य संसाधनों का प्रबंधन	बीज संचयन कार्यक्रम	संख्या	8	4	3	2	1	0
2.	शीतजल पालन मे उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीक विकास	34	उत्पादन की वृद्धि	शीतजल मछली प्रजातियों के लिए प्रजनक पालन	प्रजनको की संख्या	7	300	250	200	150	100
				शीतजल मछली प्रजातियों का बीज उत्पादन	संख्या (लाख मे)	7	12	10	8	6	4
			शीतजल मत्स्य पालन विविधीकरण	शीतजल मत्स्य पालन की नई विधियो का विकास	संख्या	4	3	2	1	0	0
				उन्नत पोषण विकसित	संख्या	3	3	2	1	0	0
				शीतजल मछली प्रजातियों पोषक तत्वो का आकलन	संख्या	3	5	4	3	2	1
			मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन	रोग निगरानी उपक्रम	संख्या	5	4	3	2	1	0
				शीतजल मछली प्रजातियों रोगजनकों के पहचान	रोग ज़नक़ की संख्या	5	7	6	5	4	3
3.	तकनीक स्थानांतरण, प्रशिक्षण और किसान अंगीकरण	12	प्रशिक्षण, विस्तार और किसान अंगीकरण	कौशल उन्नयन कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण का आयोजन	प्रशिक्षुओं की संख्या	6	190	175	160	145	130
				किसानों का अंगीकरण	संख्या	3	25	20	15	10	5
				किसान प्रदर्शनियों / आयोजन / प्रतिभागिता	संख्या	3	5	4	3	2	1
	प्रकाशन / प्रलेखन	5	NAAS रेटिंग मे 6 से अधिक रेटिंग के पत्रिकाओं	शोध लेख प्रकाशित	संख्या	3	5	4	3	2	1

			में शोध लेख का प्रकाशन								
			संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का समय पर प्रकाशन (2013-14)	वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित	तारीख	2	30/06/2014	02/07/2014	04/07/2014	07/07/2014	09/07/2014
	राजकोषीय संसाधन प्रबंधन	2	रिहाई योजना निधि का उपयोग	योजना निधि उपयोग किया	%	2	98	96	94	92	90
	आरएफआईडी प्रणाली का कुशल संचालन	3	आरएफडी 2015-2014 का मसौदा अनुमोदन के लिए के समय पर प्रस्तुत	प्रस्तुत करने का समय	तारीख	2	मई 15, 2014	मई 16, 2014	मई 19, 2014	मई 20, 2014	मई 21, 2014
			परिणाम समय पर प्रस्तुत	समय पर प्रस्तुत करने	तारीख	1	मई 1, 2014	मई 2, 2014	मई 5, 2014	मई 6, 2014	मई 7, 2014
	मंत्रालय विभाग /की बढ़ी पारदर्शिता बेहतर / सेवा वितरण	3	नागरिक ग्राहक/चार्टर (सीसीसी) कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा परीक्षा से रेटिंग	सीसीसी में प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की डिग्री	%	2	100	95	90	85	80
			शिकायत निवारण प्रबंधन (सीआरएम)प्रणाली के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा परीक्षा से एटिंग	सीआरएम लागू करने में सफलता की डिग्री	%	1	100	95	90	85	80
	प्रशासनिक सुधार	7	संशोधित प्राथमिकताओं के साथ तालमेल करने के लिए संगठनात्मक रणनीति का अद्यतन	तारीख	तारीख	2	01.11.2014	02.11.2014	03.11.2014	04.11.2014	05.11.2014
			भ्रष्टाचार के संभावित जोखिम के न्यूनीकरण के लिए अनुमोदित रणनीतियों के सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	1	100	90	80	70	60

			आईएसओ 9001के सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	2	100	95	90	85	80
			अनुमोदित नवीकरण योजनाओं सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	2	100	90	80	70	60

क्रम संख्या	**उद्देश्य**	**कार्यवाही**	**सफलता सूचक**	**इकाई**	**वास्तविक मूल्य वर्ष 2012-13**	**वास्तविक मूल्य वर्ष 2013-14**	**प्रक्षेपित मूल्य वर्ष 2014-15**	**प्रक्षेपित मूल्य वर्ष 2015-16**	**प्रक्षेपित मूल्य वर्ष 2016-17**
1.	प्राकृतिक जलीय संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए पद्धति के विकास	संसाधन मूल्यांकन और अन्वेषण	अन्वेषणों और सर्वेक्षण की संख्या	संख्या	6	6	6	7	8
			महत्वपूर्ण शीतजल मछलियों के आणविक मार्कर का विकास	संख्या	24	55	55	70	75
			जीआईएस आधारित जलीय संसाधनों के मानचित्रो का विकास	तारीख	-	-	22.02.2015	25.03.2016	25.03.2017
		मत्स्य संसाधनों का प्रबंधन	बीज संचयन कार्यक्रम	संख्या	2	3	3	4	4
2.	शीतजल पालन मे उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के	उत्पादन की वृद्धि	शीतजल मछली प्रजातियों के लिए प्रजनक पालन	प्रजनको की संख्या	2*	3*	250	300	350

	लिए तकनीक विकास								
			शीतजल मछली प्रजातियों का बीज उत्पादन	संख्या (लाख मे)	6	10	10	12	12
		शीतजल मत्स्य पालन विविधीकरण	शीतजल मत्स्य पालन की नई विधियो का विकास	संख्या	1	1	2	2	2
			उन्नत पोषण विकसित	संख्या	1	2	2	2	2
			शीतजल मछली की प्रजातियों पोषक तत्वो का आकलन	संख्या	2	4	4	5	5
		मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन	रोग निगरानी उपक्रम	संख्या	2	3	3	3	4
			शीतजल मछली प्रजातियों रोगजनकों के पहचान	रोग ज़नक़ की संख्या	2	6	6	7	8
3.	तकनीक स्थानांतरण, प्रशिक्षण और किसान अंगीकरण	प्रशिक्षण, विस्तार और किसान अंगीकरण	कौशल उन्नयन कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण का आयोजन	प्रशिक्षुओं की संख्या	104	173	175	150	200
			किसानों का अंगीकरण	संख्या	20	20	20	25	30
			किसान प्रदर्शनियों /आयोजन / प्रतिभागिता	संख्या	4	4	4	5	6
	प्रकाशन / प्रलेखन	NAAS रेटिंग मे 6 से अधिक रेटिंग के पत्रिकाओं में शोध लेख का प्रकाशन	शोध लेख प्रकाशित	संख्या	4	4	4	5	6
		संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का समय पर प्रकाशन (2013-14)	वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित	तारीख	-	-	July02 2014	-	-
	राजकोषीय संसाधन प्रबंधन	रिहाई योजना निधि का उपयोग	योजना निधि उपयोग किया	%	98.27	99.96	96.00	97.00	98.00
	आरएफआईडी प्रणाली का कुशल संचालन	आरएफडी-2014 2015 का मसौदा अनुमोदन के लिए के समय पर प्रस्तुत	प्रस्तुत करने का समय	तारीख	-	-	May16 2014	-	-

		परिणाम समय पर प्रस्तुत	समय पर प्रस्तुत करने	तारीख	-	-	May2 2014	-	-
	मंत्रालय विभाग / की बढ़ी पारदर्शिता बेहतर /सेवा वितरण	नागरिक ग्राहक/ चार्टर(सीसीसी) कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा परीक्षा से रेटिंग	सीसीसी में प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन की डिग्री	%	-	-	95	-	-
		शिकायत निवारण प्रबंधन (सीआरएम) प्रणाली के कार्यान्वयन की स्वतंत्र लेखा परीक्षा से एटिंग	सीआरएम लागू करने में सफलता की डिग्री	%	-	-	95	-	-
	प्रशासनिक सुधार	संशोधित प्राथमिकताओं के साथ तालमेल करने के लिए संगठनात्मक रणनीति का अद्यतन	तारीख	तारीख	-	-	02.11.2014	-	-
		भ्रष्टाचार के संभावित जोखिम के न्यूनीकरण के लिए अनुमोदित रणनीतियों के सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	-	-	90	-	-
		आईएसओ 9001के सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	-	-	95	-	-
		अनुमोदित नवीकरण योजनाओं सहमत लक्ष्यो का कार्यान्वयन	कार्यान्वयन का %	%	-	-	90	-	-

Section 4(a):
Acronyms

Sl.No.	Acronym (प्रयायवाची)	Description (विवरण)
1.	GIS (जी0 आई0 एस0)	Geographical Information System (भौगोलिक सूचना प्रणाली)
2.	SAUs (एस0ए0 यू0)	State Agricultural Universities (राज्य कृषि विश्व विद्यालय)
3.	KVKs (के0वी0के0)	Krishi Vigyan Kendras (कृषि विज्ञान केंद्र)
4.	NGOs (एन0जी0ओ0)	Non-Governmental Organizations (गैर सरकारी संस्था)

क्रम सं.	सफलता सूचक	विवरण	परिभाषा	परिमाप	सामान्य टिप्पणी
1.	अन्वेषणों और सर्वेक्षण की संख्या	सर्वेक्षण, शीतजल जल निकायों के आकलन एवं प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं।	यह प्राकृतिक जल की स्थिति में लौकिक परिवर्तन ज्ञात करने की प्रक्रिया है।	संसाधनों में मत्स्य जैव विविधता की गहनता।	सर्वेक्षण संस्थान का नियमित काम है।
2.	शीतजल की महत्वपूर्ण मछलियों की आणविक मार्कर का विकास	आणविक मार्कर वंशानुगत सुधार कार्यक्रम में मददगार हैं।	यह मत्स्य जाति वर्णन के लिए एक आणविक उपकरण है।	विभिन्न शीतजल मत्स्य प्रजातियों के लिए अनेक मार्कर विकसित किए गए हैं।	शीतजल मत्स्य प्रजातियों के लिए आनुवंशिक संसाधनो की सूची।
3.	GIS आधारित संसाधनों के आलेख का विकास	शीतजल क्षेत्र में विभिन्न जल निकायों का निरूपण	जी0आई0एस0 प्रणाली, मत्स्य साधनो के आकलन का शक्तिशाली उपकरण है	विकसित डेटाबेस की संख्या	विकसित नक्शे शीतजल पालन मे उपयुक्त स्थल के चुनाव के लिए इस्तेमाल किये जा सकते हैं
4.	बीज संचय कार्यक्रम का आयोजन	निहित कारणों से स्वदेशी मछली स्टॉक प्राकृतिक जल निकायों में घट रहे हैं जो कि बीज संचय कार्यक्रम से बढ़ाया जा सकता है।	प्राकृतिक जल निकायों में उत्पादकता बढ़ाने के प्राकृतिक प्रक्रिया है	बीज संचय कार्यक्रम की संख्या	फार्म मे तैयार बीज से प्राकृतिक जल निकायों में स्टॉक को कायम रखना है
5.	शीतजल की मत्स्य प्रजातियों का प्रजनक स्टॉक विकसित करना	मत्स्य पालन का उत्पादन बढ़ाने के लिए; प्रजनक स्टॉक का विकास में कृत्रिम प्रजनन की प्राथमिक कुंजी है	अच्छी गुणवत्ता के बीज उत्पादन के लिए प्रजनक स्टॉक की परवरिश	प्रजनन के लिए प्रजनक स्टॉक की संख्या	संस्थान ने स्थान विशिष्ट प्रजनक स्टॉक विकास पर कार्यक्रम लिये हैं।
6.	शीतजल मछलियों का बीज उत्पादन	उत्पादन को बढ़ाने के लिए व्यापक बीज उत्पादन आवश्यक है	कृत्रिम प्रजनन से मछली का बीज उत्पादन	बीज उत्पादन	स्थायी जल कृषि के लिए आवश्यक
7.	पर्वतीय मछली पालन की विधियो का	विभिन्न परिस्थितियों में	स्थानीय हालत के	मछली पालन के मॉडल	स्थानीय माँग के अनुसार

	विकास।	उपयुक्त मछली पालन प्रथा आवश्यक हैं	अनुसार मछली पालन के मॉडल	का सुझाव	
8.	मत्स्य आहार और पोषण विधियो का विकास	प्रजाति तथा चारा खिलाने प्रथाओं विशिष्ट विधियो का विकास	मत्स्य आहार और पोषण विधियो का चयन	मत्स्य आहार और पोषण विधियो का विकास एवं सुझाव	मत्स्य आहार और पोषण विधियो की अनुपलब्धता शीतजल मत्स्य पालन की विशेष बाधा
9.	शीतजल मछली प्रजातियों मे पोषक तत्वो की रूपरेखा	शीतजल प्रजातियों में उपलब्ध पोषक तत्वों का आकलन	शीतजल प्रजातियों में उपलब्ध पोषक तत्वों के विभिन्न प्रकार की उपलब्धता का अध्ययन करना	शीतजल प्रजातियों मे पोषक तत्व की संख्या की रूपरेखा के लिए मूल्यांकन	मछली मानव आहार का एक अभिन्न हिस्सा है और यह प्रोटीन और अन्य आवश्यक पोषक तत्व को पूरा कर सकते हैं
10.	रोग निगरानी उपक्रम	मछली उत्पादन के स्वास्थ्य प्रबंधन मे रोग निगरानी और रिपोर्टिंग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है	रोग-जनको की पहचान, सूची, रूपरेखा तथा रोग निगरानी	देश के फार्म सर्वेक्षणो की संख्या	आवश्यकता अनुसार रोग प्रबंधन
11.	मछली प्रजातियों में रोगजनकों के पहचान और लक्षण वर्णन	मत्स्य उत्पादन के लिए निवारक उपाय	रोगजनकों की पहचान करना मछली पालन की रोगो से सुरक्षा है	कितने रोगजनकों की पहचान की	मछली स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यक्रम
12.	कौशल विकास कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण का आयोजन	मानव संसाधन विकास	विभिन्न हितधारकों का कौशल विकास	प्रशिक्षुओं की संख्या	विकसित प्रौद्योगिकी को का प्रसार
13.	किसानों को अंगीकरण	शीत जलीय तकनीकी जानकारी स्थानांतरित करने के लिए के लिए किसानों क अंगीकरण	कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों का अंगीकरण और तकनीकी समर्थन एक आवश्यक प्रक्रिया है	किसानो की संख्या	संस्थान ने जलीय कृषि को लोकप्रिय बनाने के लिए किसानों का अंगीकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है
14.	प्रदर्शनियों का आयोजन अथवा भाग लिया	किसानों के साथ बातचीत का प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया	यह तकनीकी जानकारी और प्रसार -विस्तार की एक विधि है	प्रदर्शनियों का आयोजन अथवा प्रतिभागिता की संख्या	प्रदर्शनियों का आयोजन अथवा प्रतिभागिता संस्थान क मुख्य कार्य है

विभाग :5विशिष्ट प्रदर्शन आवश्यकता के लिए अन्य महत्वपूर्ण विभागों से सहमति।

स्थान के प्रकार	राज्य	संगठन के प्रकार	संगठन का नाम	प्रासंगिक सफलता सूचक	इस संगठन से अपनी आवश्यकता क्या है	आवश्यकता का औचित्य	कृपया इस संगठन से अपनी आवश्यकतायों की मात्रा	यदि आपकी आवश्यकता मुझे नहीं है तो क्या होता है
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

अनुभाग-6: विभाग / मंत्रालय / का प्रभाव.

क्रम सं	परिणाम / प्रभाव	निम्नलिखित संगठन / विभाग (s) / मंत्रालय (एँ) के साथ परिणाम / प्रभाव को प्रभावित करने के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार	सफलता सूचक	इकाई	**2012-2013**	**2013-2014**	**2014-2015**	**2015-2016**	**2016-2017**
1.	जलीय संसाधनों का आकलन किया	कृषि, SAUs, पर्यावरण और वन मंत्रालय, राज्य मत्स्य पालन विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, गैर सरकारी संगठन	जलीय संसाधनों का आकलन	संख्या	6	6	6	7	8
2.	उत्पादकता और उत्पादन में coldwater जलीय कृषि की वृद्धि हुई	कृषि, SAUs, पर्यावरण और वन मंत्रालय, राज्य मत्स्य पालन विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, गैर सरकारी संगठन	शीतजल मछलियों का बीज उत्पादन	संख्या (लाख में)	6	10	10	12	12
3.	प्रशिक्षित श्रम शक्ति उपलब्ध	मत्स्य पालन, विदेश विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र निजी क्षेत्र और जल विद्युत परियोजनाए	प्रशिक्षण और कौशल विकास	प्रशिक्षुओं की संख्या	104	173	150	150	200
			किसानों को अंगीकरण	किसानों की संख्या	20	20	20	25	30